



Gruppe: Gebietsliga Ost Runde: 7

Datum: 4.1.2020

Heim: DC Stolzen-Wirt II

Gast: DV Sunshine Sägermeister

| Bez. | Name | PC-Nr. |
|------|----------------------|--------|
| H1 | Nowak Rene | |
| H2 | Schemmel Mirco | |
| H3 | Gleichweit Willibald | |
| H4 | Rath Daniel | NEU |
| E1 | Schemmel Torsten | |
| E2 | | |
| E3 | | |
| E4 | | |

| Bez. | Name | PC-Nr. |
|------|-------------------|--------|
| G1 | Sammer Nadine | |
| G2 | Pichelbauer Hannu | |
| G3 | Kubica Christoph | |
| G4 | List Isabella | |
| E1 | | |
| E2 | | |
| E3 | | |
| E4 | | |

Ergebnisse

Vorkommnisse

| Nr. | Ersatz E | Heim | 2:0 od 0:2 od. 2:1 od 1:2 Score Ergebnis | | Gast | Ersatz E | Satz- stand 1:0 od 0:1 |
|--|----------|-------|---|----|-------|----------|---------------------------------|
| 1. Spielabschnitt | | | | | | | |
| 1 | | H1/H3 | 2 | 0 | G2/G4 | | 1:0 |
| 2 | | H4 | 2 | 1 | G1 | | 1:0 |
| 3 | | H2 | 0 | 2 | G3 | | 0:1 |
| 2. Spielabschnitt | | | | | | | |
| 4 | | H1 | 2 | 0 | G1 | | 1:0 |
| 5 | | H2 | 2 | 0 | G2 | | 1:0 |
| 6 | | H3 | 0 | 2 | G3 | | 0:1 |
| 7 | | H4 | 0 | 2 | G4 | | 0:1 |
| 3. Spielabschnitt | | | | | | | |
| 8 | | H1 | 0 | 2 | G3 | | 0:1 |
| 9 | | H2 | 2 | 0 | G4 | | 1:0 |
| 10 | | H3 | 2 | 0 | G1 | | 1:0 |
| 11 | | H4 | 0 | 2 | G2 | | 0:1 |
| 4. Spielabschnitt | | | | | | | |
| 12 | | H3 | 2 | 1 | G4 | | 1:0 |
| 13 | | H1 | 2 | 0 | G2 | | 1:0 |
| 14 | E1 | H2/H4 | 0 | 2 | G1/G3 | | 0:1 |
| Gesamtergebnis Scorepunkte (z.B. 22:14) | | | 16 | 14 | | | |
| Gesamtpunkte (z.B. 9:5) | | | | | | | 8:6 |
| Spielendstand (z.B. 2:0 od. 1:1 od. 0:2) | | | | | | | 2:0 |

[Handwritten Signature]

Unterschrift Mannschaftsführer Heim

[Handwritten Signature]

Unterschrift Mannschaftsführer Gast

Alle Mannschaftsführer sind verpflichtet die Richtigkeit aller aus dem Meisterschaftsbetrieb entstehende Vorkommnisse zu überprüfen. Der Mannschaftsführer ist verpflichtet sich alle Richtlinien zur Durchführung der Liga (Ligaregeln, Strafenkatalog, Finanz, Leitfadens u. a.) von der Homepage "www.stdsv.at" herunterzuladen und mit letztem Stand den teilnehmenden Spielern zur Kenntnis zu bringen und abzuhandeln. Bei Zuwiderhandeln trägt seine Mannschaft die Konsequenzen der daraus resultierenden Vergehen.